RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.c swarajindi- swarajindi-

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

सांध्यकालीन समाचार पत्र

मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

ओली का इस्तीफा राष्ट्रपति ने स्वीकार किया; पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा हमले में जख्मी

कानपुर,मंगलवार , 09 सितंबर 2025
वर्षः 02, अंकः 237, पृष्ठः 8+4

इनसाइड सेक्स रैकेट का खुलासा कैंटीन संचालक निकला मास्टरमाइंड » Pg 2

» Pg12

» पीएम ओली का इस्तीफा, प्रदर्शनकरियों ने काठमांडू एयरपोर्ट फूंका, सोशल मीडिया बैन

नेपाल में तख्ता पलट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो 7 काठमांडू/नई दिल्ली।

नेपाल इन दिनों भारी राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने आखिरकार अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे के साथ ही डिप्टी पीएम समेत दस मंत्रियों ने भी इस्तीफा सौंप दिया। लेकिन इसके बावजूद प्रदर्शनकारी शांत होने को तैयार नहीं हैं।काठमांडू से लेकर वीरगंज और पोखरा तक प्रदर्शनकारी पांच अहम मांगों को लेकर सड़कों पर डटे हैं। हालात इतने बिगड़ गए कि प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू एयरपोर्ट को आग के हवाले कर दिया। दिल्ली से काठमांडू जाने वाली उड़ानों को रद्द करना पड़ा। जब तक अंतरिम सरकार का गठन नहीं हो जाता, तब तक उड़ानें प्रभावित रहेंगी।

वीरगंज महानगरपालिका के दफ्तर और संसद भवन के बाहर भीषण बवाल हुआ। प्रदर्शनकारियों ने डेढ़ दर्जन कारों और कई सरकारी भवनों में आग लगा दी।

मंत्रियों को सेना ने सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया

काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रियों के आवासों पर हमले के बाद नेपाली सेना ने हेलीकॉप्टर की मदद से मंत्रियों को सुरक्षित स्थानों पर भेजना शुरू कर दिया है। संसद भवन और शीर्ष अधिकारियों के आवासों की सुरक्षा के लिए भारी सैन्य बल तैनात किया गया है।

ओली के इस्तीफे पर मेयर शाह का बयान

काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने फेसबुक पर लिखा -÷यह जेनरेशन ँ का आंदोलन है। प्रिय युवाओं, आपके उत्पीड़क का इस्तीफा हो चुका है। अब संयम बरतने का समय है।÷ओली के इस्तीफे के बाद बालेंद्र शाह को अंतरिम राष्ट्रपति बनाए जाने की मांग भी जोर पकड़ रही है। शाह को प्रदर्शनकारियों का प्रत्यक्ष नेता माना जा रहा है।

सोशल मीडिया पर बैन, सेना की अपील

सरकार ने नेपाल में हालात काबू करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अस्थायी बैन लगा दिया है। सेना प्रमुख ने अपील की है कि जन-हानि से बचने के लिए प्रदर्शनकारी संयम बरतें और हिंसा का रास्ता छोड़ें।

भारतीय नागरिकों के लिए हेल्पलाइन

नेपाल में हालात खराब होने के बाद भारतीय दूतावास ने भी हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। नेपाल में रह रहे भारतीय नागरिक किसी भी आपात स्थिति में +977-9808602881 पर संपर्क कर सकते हैं। नेपाल का यह संकट सिर्फ राजनीतिक अस्थिरता नहीं बल्कि एक नए युवा नेतृत्व की मांग का भी प्रतीक बन गया है। ओली के इस्तीफे के बाद अब पूरा देश एक नए सामाजिक-राजनीतिक मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है।

आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए योगी सरकार की नई गाइडलाइन जारी

» शहर से लेकर गांव तक आवारा कुत्तों की समस्याओं का होगा निस्तारण

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक और काटने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए योगी सरकार ने सोमवार को एक अहम परिपत्र जारी किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए इन नए नियमों का मकसद मानव-पशु संघर्ष को कम करना और सुरक्षित वातावरण बनाना है।नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि ÷कुत्तों के काटने की घटनाएं एक गंभीर जनस्वास्थ्य समस्या हैं। यह

गाइडलाइन मानवीय दृष्टिकोण के साथ प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करेगी।÷यह गाइडलाइन न सिर्फ आम जनता को आवारा कुत्तों के हमले और डर से राहत दिलाएगी, बल्कि कुत्तों की देखभाल और प्रबंधन को भी व्यवस्थित करेगी। कुल मिलाकर, सरकार का यह कदम जनसुरक्षा और पशु कल्याण दोनों के बीच संतुलन बनाने की दिशा में बड़ा और सकारात्मक बदलाव माना जा रहा है।

नई गाइडलाइन के प्रमुख बिंदु

फीडिंग जोन की व्यवस्था – प्रत्येक वार्ड में संरचित फीडिंग जोन बनाए जाएंगे। ये बच्चों के खेल मैदानों, स्कूलों, पार्कों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों से दूर होंगे।समय निर्धारण – कुत्तों को भोजन कराने का समय इस तरह तय होगा कि बच्चों और बुजुर्गों की दिनचर्या प्रभावित न हो।जिम्मेदारी तय – कुत्तों को खिलाने वाले लोगों को अब सिर्फ तय स्थानों पर ही भोजन कराना होगा और स्वच्छता का ध्यान रखते हुए बचे भोजन का उचित निस्तारण करना होगा।नसबंदी व टीकाकरण – नगर निगम व नगर पंचायतों को सतत नसबंदी और रेबीज टीकाकरण अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। पशुप्रेमियों को इसमें सहयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

विवाद निस्तारण समिति – किसी भी विवाद की स्थिति में एक समिति गठित होगी, जिसमें मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, पुलिस अधिकारी और स्थानीय प्रतिनिधि शामिल होंगे। समिति का निर्णय अंतिम होगा।

बीमार व घायल कुत्तों का संरक्षण – उनके लिए आश्रय स्थल और मानवीय देखभाल की व्यवस्था की जाएगी।

कानपुर में सेक्स रैकेट का खुलासा कैंटीन संचालक निकला मास्टरमाइंड

» 20 लड़कियों से रेप कर बनाता रहा न्यूड वीडियो, चलाता रहा रैकेट

» नाबालिग की शिकायत पर उजागर हुआ हॉस्पिटल कैंटीन संचालक का घिनौना खेल

» पिता की हिम्मत से बेनकाब हुई दरिंदगी, 20 लड़कियों से दुष्कर्म का खुलासा

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। नौबस्ता थाना क्षेत्र में एक हॉस्पिटल कैंटीन संचालक की दरिंदगी का खुलासा होते ही इलाके में सनसनी फैल गई है। आरोपी का नाम केशव उत्तम है, जो मूल रूप से फतेहपुर जहानाबाद का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस जांच में सामने आया है कि उसने अब तक करीब 20 लड़कियों को अपनी हवस का शिकार बनाया। पहले उन्हें अपने जाल में फंसाया, फिर न्यूड वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करना शुरू किया। इसके बाद उन्हें जबरन सेक्स रैकेट में धकेलकर पैसों के बदले ग्राहकों तक पहुंचाने लगा। आरोपी का यह खेल लंबे समय से चल रहा था, लेकिन किसी को भनक नहीं लगी। घटना का खुलासा तब हुआ जब नौबस्ता निवासी एक नाबालिग पीड़िता के पिता ने आरोपी को अपनी बेटी के साथ देख लिया और उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। आरोपी को पीटा गया और इसी दौरान उसका मोबाइल हाथ लग गया। मोबाइल से जैसे-जैसे राज सामने आए, हर कोई हैरान रह गया। पुलिस का कहना है कि यह मामला बेहद गंभीर है और आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत कई धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

पिता की हिम्मत से खुला पूरा राज

नौबस्ता निवासी शिकायतकर्ता ने बताया कि उनकी 14 वर्षीय बेटी कक्षा 8 की छात्रा है। आरोपी केशव ने उसे बहाने से अस्पताल बुलाया और वहीं पहली बार उसे बंधक बनाकर रेप किया। उस दौरान उसने बच्ची का अश्लील वीडियो भी बना लिया। इसके बाद आरोपी लगातार उस वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर बच्ची का यौन शोषण करता रहा। घरवालों को शक तब हुआ जब बच्ची दिनों तक गुमसुम रहने लगी और डर के माहौल में रहने लगी। पिता ने जब बेटी से पूछा तो उसने पहले छेड़छाड़ की बात बताई। इसके बाद पिता ने आरोपी को चेतावनी दी, लेकिन उसने अपनी हरकतें नहीं रोकीं। एक दिन आरोपी जबरन बच्ची को खींचकर अपने साथ ले जा रहा था और उसे धमका रहा था कि वीडियो वायरल कर देगा। तभी पिता व परिजन मौके पर पहुंचे और बेटी को छुड़ाया। गुस्से में उन्होंने आरोपी को पीट दिया, इस दौरान उसका मोबाइल वहीं गिर गया। मोबाइल का पासवर्ड बच्ची को पता था। जैसे ही फोन खोला गया, उसमें बेटी का न्यूड वीडियो देखकर परिवार के होश उड़ गए। इसके अलावा फोन की गैलरी में कई अन्य लड़कियों की भी तस्वीरें और वीडियो मिले।

मोबाइल से खुला सेक्स रैकेट का राज

पुलिस के हाथ जब आरोपी का मोबाइल लगा और उसकी डिटेल खंगाली गई, तो बड़ा खुलासा हुआ। फोन में कई ऑडियो रिकॉर्डिंग और व्हाट्सऐप चैट मिलीं।

इनमें साफ दिखा कि आरोपी लड़कियों को ब्लैकमेल कर रैकेट में धकेलता था और डिमांड के

मुख्य आरोपी केशव उत्तम

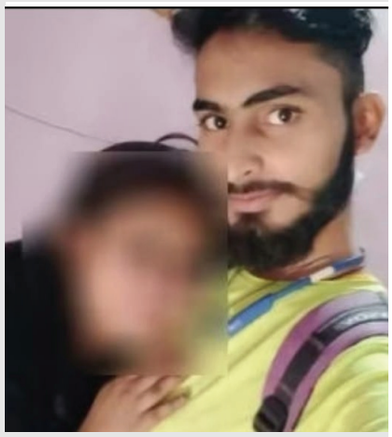

हिसाब से ग्राहकों तक सप्लाई करता था। चैट में कई लोग उससे लड़कियों की डिमांड कर रहे थे और आरोपी उनकी पसंद की लड़कियां भेजने की हामी भर रहा था। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़, बंधक बनाने, मारपीट और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए दो विशेष टीमें गठित की गई हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी के मोबाइल से मिली सामग्री बेहद गंभीर है और इसमें कई लड़कियों के नाम व पहचान सामने आ रही है। सभी से संपर्क साधने का प्रयास किया जा रहा है। अगर कोई भी पीड़िता औपचारिक तहरीर देती है तो नए मुकदमे भी दर्ज किए जाएंगे। फिलहाल आरोपी फरार है और पुलिस उसे जल्द पकड़ने के लिए दबिश दे रही है।

टीईटी: शिक्षा की गुणवत्ता और शिक्षकों का भविष्य !

» समाधान की उम्मीद से देख रहे शिक्षकों से जुड़े लाखों परिवार

» शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर देशभर में एक नई बहस छिड़ गई है

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। शिक्षा समाज का आधार है और शिक्षक उसकी नींव। हाल ही में आए सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने भले ही लाखों परिषदीय शिक्षकों को असमंजस में डाल दिया हो, लेकिन इससे शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर देशभर में एक नई बहस छिड़ गई है। कोर्ट ने कहा है कि कक्षा 1 से 8 तक कोई भी शिक्षक अब बिना टीईट पास किए सेवा में नहीं रह सकता।

इस आदेश के बाद अनुभवी शिक्षकों और उनके परिवारों में चिंता बढ़ी है, क्योंकि कई शिक्षक पिछले 20-25 वर्षों से लगातार सेवा दे रहे हैं और अब उन्हें नई पात्रता पूरी करनी होगी। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इस चुनौती को अवसर में बदलना होगा। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ अनुभवी शिक्षकों के अनुभव का लाभ बच्चों को मिलता रहे, इसके लिए सरकार और शिक्षकों के बीच एक संतुलित समाधान निकल सकता है।

दरअसल, इस आदेश की जड़ 2017 में हुआ संशोधन है, जिसमें तय किया गया था कि 31 मार्च 2015 तक नियुक्त सभी शिक्षकों को अगस्त 2021 तक टीईटी पास करना अनिवार्य होगा। लेकिन यह बदलाव समय पर ठीक से प्रचारित नहीं हुआ। अब जब सुप्रीम कोर्ट ने इसे लागू करने की बात कही है, तो शिक्षक संगठनों का मानना है कि सरकार को शिक्षकों के अनुभव और सेवा के वर्षों को ध्यान में रखते हुए कोई व्यवहारिक रास्ता निकालना चाहिए।

शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि शिक्षा सुधार जरूरी है, लेकिन सुधार का स्वरूप ऐसा होना चाहिए जो संवेदनशील और न्यायपूर्ण हो। उम्मीद की जा रही है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर ऐसा समाधान निकालेंगी, जिससे न केवल शिक्षा की गुणवत्ता बढ़े, बल्कि लाखों परिवारों की आजीविका भी सुरक्षित रह सके।देश के लिए यह समय शिक्षा को और मजबूत करने का है, और इसके लिए जरूरी है कि अनुभव और नई पात्रता - दोनों का संतुलन बनाकर आगे बढ़ा जाए।

कानपुर पुलिस कमिश्नर की सख्ती से माफिया 'भूमिगत'

» भू माफिया से लेकर फर्जी पत्रकार दहशत में

» पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार की जनता कर रही प्रशंसा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार की कार्यशैली आज पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस कमिश्नर ने आते ही भूमाफिया और भ्रष्टाचार में लिप्त कथित पत्रकारों पर शिकंजा कसकर ऐसा संदेश दिया है कि अब कानून से ऊपर कोई नहीं है। कानपुर के इतिहास में पहली बार देखा जा रहा है कि पुलिस पत्रकारिता के नाम पर अवैध कब्जा, दबाव और वसूली करने वालों की जड़ों तक पहुँचकर कार्रवाई कर रही है।

जनपद के नागरिक खुलकर कमिश्नर की तारीफ कर रहे हैं। उनका कहना है कि जिन पत्रकारों और भूमाफियाओं के दबाव में पुलिस वर्षों से पस्त थी, उन पर शिकंजा कसना आसान नहीं था, लेकिन अखिल कुमार ने यह साहसिक कदम उठाकर भ्रष्टाचारियों की कमर तोड़ दी।

अब तक दर्जन भर से अधिक कथित पत्रकार जेल की हवा खा चुके हैं और कई पर मुकदमे दर्ज हैं। हाल ही में गिरफ्तार किए गए कथित पत्रकार विपिन गुप्ता ने पुलिस पूछताछ में प्रेस क्लब के एक बड़े पदाधिकारी का नाम भी लिया है, जिस पर अवैध वसूली और करोड़ों की संपत्ति बनाने के गंभीर आरोप लगे हैं। सूत्रों के अनुसार, भूमाफिया मामलों से जुड़ी रकम इस पदाधिकारी के खाते में भेजी गई थी।

शहर के जानकारों का कहना है कि यदि इस पदाधिकारी की संपत्ति और बैंक खातों की गहन जांच हो, तो प्रेस क्लब की आड़ में चल रहे भ्रष्टाचार का असली चेहरा पूरी तरह उजागर हो जाएगा। यही कारण है कि प्रेस क्लब में वर्षों से चुनाव नहीं हो रहे और पदाधिकारी अपनी कुर्सी बचाने के लिए हर हथकंडा अपना रहे हैं।

नागरिकों का विश्वास है कि जिस प्रकार पुलिस कमिश्नर ने अब तक माफिया और भ्रष्ट पत्रकारों को बेनकाब कर जेल पहुंचाया है, उसी तरह इस पदाधिकारी पर भी कार्रवाई होगी।

लोग इंतजार कर रहे हैं कि कब उसकी गिरफ्तारी होगी और कब उसकी संपत्ति जब्त कर कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ेगी।

कानपुर की जनता का कहना है कि पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने यह साबित कर दिया है कि सही इरादे और ईमानदारी के सामने कोई भी माफिया या भ्रष्ट ताकत टिक नहीं सकती।

बारदाना व्यापारी के घर 30 लाख की लूट

, महिलाओं को बंधक बनाकर पीटा, जांच में जुटी पुलिस

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शुक्लागंज के ब्रह्म नगर मोहल्ले में मंगलवार दोपहर बाइक सवार तीन बदमाशों ने बारदाना व्यापारी के घर धावा बोल दिया। किराएदार महिला को किचन में बंद कर और मकान मालकिन को रस्सी से बांधकर जमकर पिटाई की, जिससे उनके दो दांत टूट गए। बदमाश 10 लाख की नकदी, 20 लाख के जेवर और लाइसेंसी रिवाल्वर समेत डीवीआर लूट ले गए।

मिली जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 12:30 बजे बाइक सवार तीन बदमाश मुख्य गेट से अंदर घुसे नीचे के तल पर रह रही किराएदार महिला रत्ना को पीटते हुए बंधक बनाकर किचन में बंद कर ऊपर के तल पर पहुंचे। यहां खाना खा रही

मकान मालकिन सीता शुक्ला को नायलॉन की रस्सी से बांधकर जमकर पिटाई की। इस दौरान महिला के दो दांत भी टूट गए।

घर में लगे कैमरे भी तोड़ दिए

महिला शोर ना कर सके मुंह में पन्नी बांध दी। इस बीच नकाबपोश बदमाश घर के कमरे में रखे बक्से अलमारी और बड़ा बक्सा खोलकर लूटपाट करते हुए घर में रखी नगदी जेवर और लाइसेंसी रिवाल्वर अपने साथ ले गए। सूचना पर पहुंचे मकान मालिक राकेश शुक्ला ने बताया कि घर में लगे कैमरे भी तोड़ दिए और डीवीआर अपने साथ ले गए।

पीड़ित ने एक युवक पर संदेह जताया है

बदमाश 10 लाख की नगदी के अलावा करीब 20 लाख के जेवर और उनकी लाइसेंसी रिवाल्वर के अन्य कीमती सामान ले गए हैं। घटना के बाद से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। सूचना पर पहुंची कोतवाली गंगा घाट पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। कोतवाल अजय सिंह चौहान ने बताया कि पीड़ित ने एक युवक पर संदेह जताया है, जो की पूर्व में उसका चालक रहा है, जिसकी जांच की जा रही है।

सड़क पर जलभराव, महापौर ने किया निरीक्षण- मेट्रो अफसरों को लगाई फटकार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। लगातार हो रही बारिश से शहर के कई इलाकों में जलभराव की समस्या गहराती जा रही है। मंगलवार को महापौर प्रमिला पाण्डेय ने चावला मार्केट, नन्दलाल चौराहा, गोविन्द नगर, परमपुरवा, सर्वोदय नगर आरटीओ ऑफिस मॉडल रोड और देवकी चौराहे का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जनता की परेशानी को गंभीरता से लेते हुए नगर आयुक्त, मुख्य अभियंता सिविल और जलकल अधिकारियों संग मौके की स्थिति देखी।

महापौर ने चावला मार्केट में सीवर लाइन की गड़बड़ी को लेकर मेट्रो अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि बारा देवी में जलकल की 32 फुट गहरी सीवर लाइन को मेट्रो द्वारा मात्र 16 फुट पर डाल दिया गया है। कई बार इसे सुधारने के निर्देश दिए गए, लेकिन आज तक कार्य नहीं हुआ। इसी कारण सीवर और बरसाती पानी का निकास नहीं हो पा रहा है और बार-बार जलभराव हो रहा है।इसके बाद देवकी चौराहे पर भी महापौर ने स्थिति का जायजा लिया। यहां मेट्रो द्वारा डॉट नाला बंद कर दिए जाने से सर्वोदय नगर आरटीओ ऑफिस, पांडु नगर और अखबार कार्यालय के सामने पानी भर गया है।

महापौर ने इसे जनता के लिए गंभीर समस्या बताते हुए नाले को प्राथमिकता पर चालू कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान पार्षद नवीन पंडित, नगर आयुक्त सुधीर कुमार, मुख्य अभियंता सिविल सैय्यद फरीद अख्तर जैदी, जलकल के महाप्रबंधक आनंद कुमार त्रिपाठी, जोन-5 जलकल के अधिशाषी अभियंता रामेंद्र पांडेय और मेट्रो अधिकारी भी मौजूद रहे।

महापौर ने साफ कहा कि यदि समय रहते सीवर और नालों की समस्या नहीं सुधारी गई, तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गुजैनी में चला चट्टा हटाओ अभियान, 17 पशु पकड़े गए

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नगर आयुक्त के आदेश पर मंगलवार 09 सितम्बर 2025 को नगर निगम की प्रवर्तन टीम ने गुजैनी क्षेत्र में चट्टा हटाओ अभियान चलाया। अभियान में गोविंद नगर थाना पुलिस बल के सहयोग से कुल 17 पशुओं (08 भैंस, 06 गाय और 03 भैंस के बछड़े) को पकड़कर गौशाला में संरक्षित किया गया।

नगर निगम प्रशासन के मुताबिक संबंधित चट्टा संचालक को पूर्व में ही चेतावनी दी गई थी कि अपने पशुओं को नगर निगम सीमा से बाहर विस्थापित करें, लेकिन निर्देशों का अनुपालन न करने पर यह कार्रवाई की गई।मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आरके निरंजन ने दोहराया कि नगर निगम सीमा के भीतर चट्टा संचालन प्रतिबंधित है। सभी चट्टा संचालकों को पुनः चेतावनी दी गई है कि वे शीघ्र अपने पशुओं को बाहर विस्थापित करें।पशु कल्याण विभाग के अनुसार, चालू वित्तीय वर्ष में अब तक शहर के विभिन्न इलाकों में चलाए गए चट्टा हटाओ अभियानों से 33.48 लाख रुपये का राजस्व वसूला जा चुका है।

निगम ने पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं को खुले में न छोड़ें, अन्यथा भविष्य में भी कड़ी कार्यवाही जारी रहेगी। अभियान में मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.के. निरंजन, प्रवर्तन प्रभारी कर्नल आलोक नारायण, राजस्व निरीक्षक दिनेश कुमार, प्रवर्तन दल के सदस्य लक्ष्मण सिंह, इन्द्रजीत सिंह, जीतेन्द्र प्रसाद सिंह तथा होमगार्ड कर्मियों के साथ गोविंद नगर थाने का पुलिस बल मौजूद रहा।

घरेलू विवाद से परेशान बुजुर्ग ने किया सुसाइड

कानपुर देहात। शिवली थाना क्षेत्र के सरैया गांव में सोमवार देर रात एक दर्दनाक घटना घटित हुई। घरेलू विवाद से आहत होकर एक 60 वर्षीय बुजुर्ग ने गूलर के पेड़ पर फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।मृतक की पहचान कन्हैयालाल (60 वर्ष) के रूप में हुई है, जो राजमिस्त्री का कार्य करते थे। बताया गया कि सोमवार रात उन्होंने घर के पास ही गूलर के पेड़ पर फांसी लगा ली। घटना की सूचना उनके पुत्र देवेश कुमार ने पुलिस को दी। देवेश राजस्थान की एक फैक्ट्री में कार्यरत हैं और घटना की खबर मिलते ही देर रात घर पहुंचे।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पुत्रियों रीना, राधा और प्रिया समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था।थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।इस हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में गम का माहौल व्याप्त है।

सम्पादकीय

सामान्य स्थिति बहाली के लिए गंभीर प्रयास

निस्संदेह, पिछले दो वर्ष से अधिक समय से हिंसाग्रस्त मणिपुर का संकट लाइलाज-सा नजर आता रहा है। अब केंद्र सरकार और राज्य के दो प्रमुख कुकी-जो समूहों के बीच बीते गुरुवार को हस्ताक्षरित ऑपरेशन निलंबन समझौते से अशांत मणिपुर में शांति बहाली तथा सामान्य स्थिति बनाये रखने के प्रयासों को बल मिलने की उम्मीद जगी है। उम्मीद है कि इस प्रयास से राज्य की क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित की जा सकेगी। समझौते के बाद निर्दिष्ट शिविरों को संवेदनशील क्षेत्रों से स्थानांतरित करने और राज्य में दीर्घकालिक शांति तथा स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में भी सहमति बनी है। वहीं यह घटनाक्रम इस कारण से भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह इस पूर्वोत्तर राज्य का दौरा कर सकते हैं। विपक्ष लंबे समय से मांग करता रहा है कि प्रधानमंत्री मणिपुर क्यों नहीं जाते। मई, 2023 में मैतेई और कूकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद प्रधानमंत्री की इस संवेदनशील राज्य की यह पहली यात्रा होगी। विगत में विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि केंद्र ने मणिपुर को उसके हाल पर छोड़ दिया। विपक्ष ने राज्य में डबल इंजन सरकार के दौरान कुशासन का आरोप भी लगातार लगाया है। उनका यह भी आरोप रहा है कि सत्तारूढ़ भाजपा ने राज्य की स्थिति के नियंत्रण में अपनी विफलता के बावजूद एन बीरेन सिंह को मुख्यमंत्री के पद पर बनाये रखा था। इससे बढ़कर यह भी कि मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए उन पर तटस्थता न दिखाने और हिंसा के प्रति संवेदनहीन बने रहने के आरोप भी लगाए गए। कालांतर विपक्ष के दबाव के बीच उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। तब से लेकर अब तक राज्य राष्ट्रपति शासन के तहत संचालित है। वहीं हाल के महीनों में अपेक्षाकृत शांति का एक मुख्य कारण यह भी है कि कई आतंकवादियों ने राज्य के अधिकारियों की अपील के जवाब में लूटे गए हथियार कानून प्रवर्तन एजेंसियों को लौटाए हैं।निश्चित रूप से हाल ही में हुआ समझौता लंबे समय से अशांत चल रहे मणिपुर के हित में एक स्वागत योग्य कदम ही कहा जाएगा। इसके बावजूद कुछ पेचीदा मुद्दे अभी भी सुलझाने बाकी हैं। इस मुहिम में विभिन्न हितधारकों को शामिल करने की जरूरत है। राज्य में एक प्रभावशाली नागरिक समाज समूह, कुकी-जो काउंसिल ने स्पष्ट किया है कि वह मैतेई और कुकी-जो क्षेत्रों के बीच बफर जोन में अप्रतिबंधित या मुक्त आवाजाही के पक्ष में नहीं। यह भी कि मणिपुर के नागाओं के शीर्ष निकाय ने मुक्त आवागमन व्यवस्था को समाप्त करने और भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का विरोध किया है। इसके अलावा विरोध में राज्य में समुदाय वाले सभी क्षेत्रों में व्यापार प्रतिबंध लागू करने की चेतावनी भी दी है। उल्लेखनीय है कि राज्य में जातीय संघर्ष की मूल वजह बहुसंख्यक मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा हासिल करने की मांग रही है। इस मांग पर उपजे टकराव को दूर करने तथा कुकी और नागाओं का विश्वास फिर से हासिल करने के प्रयास प्राथमिकता के आधार पर किए जाने की जरूरत है। निश्चय ही, सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने के लिये मोदी सरकार को अब समय नहीं गवांना चाहिए। निस्संदेह, मणिपुरियों ने पहले ही इस राहत के लिये बहुत लंबा इंतजार किया है। यह अच्छी बात है कि कूकी-जो काउंसिल ने अलग से राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को खोलने का फैसला लिया है। यह राजमार्ग मणिपुर से होकर गुजरता है। निस्संदेह, इस कदम से जहां राज्य में जीवन की जरूरी चीजों की आपूर्ति सरल होगी।

देशों की सीमाओं से अलग राह बनाकर बहता पानी

पुष्कर जैन

दशकों सिंधु जल संधि कायम रही, क्योंकि इसमें पंजाब की नदियों का जल बरतने के नियम थे। पहलगाम नरसंहार के बाद भारत ने संधि स्थगित कर चिनाब से पाकिस्तान को पानी बंद कर दिया। अब ज्यादा बारिश से बांधों का जलस्तर इतना बढ़ा कि नदियों में पानी छोड़ा गया। पंजाब बाढ़ग्रस्त हो गया व सीमा पार क्षेत्र भी।एक कवि के शब्द है : 'पानी, हर तरफ पानी।' सुल्तानपुर लोधी के मंड इलाके की हालत देखते ही यह पंक्ति आपके दिमाग में वाकई गूंजने लगती है, जहां ब्यास नदी ने अपने किनारों को तोड़कर धान की फसल को पानी में डुबो दिया है।

पिछले कुछ हफ़्तों में पंजाब की नदियों का जलस्तर बढ़ते देखना इतिहास और भूगोल दोनों के लिए एक सबक रहा है। हम जानते हैं कि पंजाब शब्द फ़ारसी के शब्दों, पंज और आब के संगम से बना है, जिसका अर्थ है 'पांच पानियों की भूमि'। इसका श्रेय टैंजियर्स से आए यात्री इब्न बतूता को दिया जाता है, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्होंने 14वीं शताब्दी में इस क्षेत्र का भ्रमण किया था। लेकिन विडंबना है कि बतूता से पहले, पंजाब को पंचनद के नाम से जाना जाता था, जो संस्कृत का एक शब्द है। जिसका अर्थ है 'पांच नदियों की भूमि' – यह शब्द महाभारत के समय से चला आ रहा है और आज भी पाकिस्तान में उस नदी का नाम है जिसमें अविभाजित पंजाब की सभी पांचों नदियां – झेलम, चिनाब, सतलुज, व्यास और रावी-अरब सागर में समाने से पहले, मिलकर एक विशाल नदी का रूप धर लेती हैं।गौर कीजिए कि प्रकृति को किस कदर मानव-निर्मित क्षुद्र विभाजनों से घृणा है, चाहे वह 1947 के दौरान या उसके बाद हाल ही में अप्रैल 2025 में, जब पहलगाम नरसंहार की भयावहता के बाद, गुस्साए भारत ने 1960 में हुई सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया। दो युद्धों और एक सीमित संघर्ष के बावजूद, यह संधि कायम रही, क्योंकि इसमें पंजाब की नदियों का जल बरतने संबंधी नियम थे।

ऑपरेशन सिंदूर की पूर्व संध्या पर, भारत ने जम्मू में चिनाब नदी पर बने बगलिहार बांध के निकास द्वार बंद कर दिए और घोषणा की कि पहलगाम के प्रतिशोध में पाकिस्तान को 'पानी की एक बूंद तक' नहीं देंगे। जिससे अधिकारियों को बांधों को सुरक्षित रखने के लिए पंजाब की तीन पूर्वी नदियों में पानी छोड़ना पड़ा। लेकिन अब सीमा के दोनों ओर सवाल उठ रहे हैं- मसलन, क्या अधिकारियों को इन उत्तर भारतीय बांधों से पानी छोड़ना नहीं चाहिए था,

करतारपुर साहिब। पंजाब के जिन कस्बों की सूची जो इन दिनों तैरती हुई लगती है, उस पर 'भीगता पंजाब' जैसे मीम्स बन रहे हैं। फिरोजपुर इलाके में बाढ़ इतनी भारी है कि इसने रेडक्लिफ रेखा पर बने निशानदेही चिह्न मिटा दिये हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा बाड़ के कुछ हिस्से जलमग्न हैं। मानो भूगोल इतिहास से अपना बदला ले रहा हो।इस बीच, गुस्से की जगह सामान्य समझदारी ने ली है। भारत ने भले ही सिंधु जल संधि को निलंबित कर रखा है, लेकिन वह इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग के ज़रिये पाकिस्तान को छोड़े गए पानी के आंकड़े मुहैया करवा रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत एक ऊपरी रिपेरियन देश होने के नाते अपनी ज़िम्मेदारी समझता है।

शक्ति व आशा जगाता एक सच्चाई का संगीत

भूपेन्द्र हजारी -जयंती

शुभम चौधरी

भूपेन हज़ारिका का जीवन हमें समानानुभूति, लोगों की बात सुनने और ज़मीन से जुड़े रहने की शक्ति सिखाता है। उनके गीत आज भी युवा और वृद्ध सभी के द्वारा समान रूप से गाए जाते हैं। उनका संगीत हमें करुणामय और साहसी बनना सिखाता है।भारतीय संस्कृति और संगीत के प्रति जुनून रखने वाले सभी लोगों के लिए आज, 8 सितंबर का दिन बेहद ख़ास है। असम के मेरे भाइयों और बहनों के लिए यह दिन और भी ख़ास है। आख़िरकार, भारत की अब तक की सबसे अद्भुत आवाज़ों में शुमार रहे डॉ. भूपेन हज़ारिका की आज जयंती है। इस वर्ष उनके जन्म शताब्दी समारोह की शुरुआत हो रही है। यह भारतीय कलात्मक अभिव्यक्ति और जनचेतना में उनके अमूल्य योगदान को याद करने का अवसर है।

भूपेन दा ने हमें जो दिया, वह संगीत से कहीं बढ़कर है। उनकी रचनाओं में भावनाएं समाहित थीं, जो राग से परे थीं। वह महज एक आवाज़ से बढ़कर, लोगों के दिलों की धड़कन थे। कई पीढ़ियां उनके गीतों को सुनकर बड़ी हुई हैं, जिनके हर शब्द में दया, सामाजिक न्याय, एकता और गहराई से जुड़े अपनत्व के भाव गुंजायमान होते हैं।

असम से एक ऐसी आवाज़ उभरी, जो अपने साथ मानवता की भावना लेकर एक कालातीत नदी की तरह बहते हुए, सीमाओं और संस्कृतियों को पार करती गई। भूपेन दा ने दुनिया भर की यात्रा की, समाज के सभी वर्गों के दिग्गजों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया, लेकिन वे असम में अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े रहे। उनके बचपन को असम की समृद्ध मौखिक परंपराओं, लोक धुनों और कहानी सुनाने की सामुदायिक प्रथाओं ने गहराई से आकार दिया। इन अनुभवों ने उनकी कलात्मक शब्दावली की बुनियाद रखी। वे असम की मौलिक पहचान और उसके लोगों के लोकाचार की भावना को हमेशा साथ लेकर चले।

भूपेन दा की प्रतिभा बहुत कम आयु में ही सामने आ गई थी। मात्र पांच साल की आयु में, उन्होंने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में गायन किया और तत्काल असमिया साहित्य की अग्रणी हस्ती लक्ष्मीनाथ बेजबरुआ का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। किशोरावस्था में ही उन्होंने अपना पहला गीत रिकॉर्ड कर लिया था, लेकिन संगीत उनके व्यक्तित्व का केवल एक हिस्सा था। भूपेन दा हृदय से उतने ही बुद्धिजीवी... जिज्ञासु, स्पष्टवक्ता और दुनिया को समझने की अदम्य इच्छा से प्रेरित थे।

ज्योति प्रसाद अग्रवाल और बिष्णु प्रसाद राभा जैसी सांस्कृतिक विभूतियों ने उनके मन पर गहरी छाप छोड़ी और उनकी जिज्ञासु प्रवृत्ति को भी गहन बनाया। सीखने की यही इच्छा थी जिसने उन्हें बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कॉटन कॉलेज में उत्कृष्ट बनाया और उन्हें अमेरिका ले गई, जहां वह उस समय के प्रमुख शिक्षाविदों, विचारकों और संगीतकारों के संपर्क में आए। उनकी मुलाकात महान कलाकार और सिविल राइट्स लीडर पॉल रॉबसन से हुई। रोबसन का गीत 'ओल मैन रिवर' भूपेन दा की प्रतिष्ठित रचना 'बिस्तिर्नो पारोरे' के लिए प्रेरणा बन गया। अमेरिका की बेहद सम्मानित पूर्व प्रथम महिला एलेनोर रूजवेल्ट ने भारतीय लोक संगीत की उनकी प्रस्तुति के लिए उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया।भूपेन दा के पास अमेरिका में ही रहने का विकल्प था, लेकिन वे भारत लौट आए और पूरी तरह संगीत में रम गए। उनकी रचनाओं में गीतात्मकता के साथ ही सामाजिक संदेश भी थे, जिनमें गरीबों के लिए न्याय, ग्रामीण विकास, आम नागरिकों की शक्ति आदि जैसे विषय शामिल थे। अपने संगीत के माध्यम से, उन्होंने नाविकों, चाय बागानों के मज़दूरों, महिलाओं, किसानों आदि की आकांक्षाओं को स्वर दिया। पुरानी यादों को ताज़ा करने के साथ-साथ, भूपेन दा की रचनाएं आधुनिकता को देखने का एक सशक्त माध्यम भी बनीं। बहुत से लोग, खासकर उनके जैसे सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के लोग, उनके संगीत से शक्ति और आशा प्राप्त करते हैं।

समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश -2047 विजन पर कार्य शुरू

कानपुर में प्रबुद्धजनों का होगा आगमन, डीएम ने नागरिकों से भागीदारी का किया आह्वान

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत श्र2047 संकल्प को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश सरकार ने समर्थ उत्तर प्रदेश – विकसित उत्तर प्रदेश श्र2047 अभियान की शुरुआत की है। इस महाअभियान का उद्देश्य है—जनभागीदारी से ऐसा रोडमैप तैयार करना, जिससे वर्ष 2047 तक उत्तर प्रदेश विकसित राज्यों की श्रेणी में शुमार हो सके।

अभियान का विजन अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति और जीवन शक्ति जैसे तीन स्तंभों पर आधारित है। कृषि, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, आईटी, ऊर्जा, पर्यटन, महिला विकास, रोजगार, कानून-व्यवस्था, ग्रामीण विकास और सामाजिक सुरक्षा जैसे 12 क्षेत्रों में आमजन से सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं। नागरिक अपने विचार samarthuttarpradesh.up.gov.in पोर्टल अथवा क्यूआर कोड स्कैन कर आसानी से दर्ज करा सकते हैं।

कानपुर में 10-11 सितम्बर को संवाद

अभियान के अंतर्गत शासन द्वारा नामित प्रबुद्धजनों का प्रतिनिधिमंडल 10 और 11 सितम्बर को कानपुर पहुंचेगा। इस दल में मुख्यमंत्री के सलाहकार व सेवानिवृत्त आईएएस अवनीश कुमार अवस्थी, सेवानिवृत्त आईएफएस बाबूराम अहिरवार, शिक्षा जगत के वरिष्ठ विद्वान डॉ. चुन्ना सिंह, कृषि वैज्ञानिक डॉ. शंकर सिंह तथा पीडब्ल्यूडी के पूर्व मुख्य अभियंता राकेश सिंह शामिल हैं।

यह दल छात्रों, प्राध्यापकों, कृषकों, महिला समूहों, उद्यमियों, श्रमिक संगठनों और विभिन्न क्षेत्रों के बुद्धिजीवियों से संवाद कर न सिर्फ विगत आठ वर्षों की विकास यात्रा पर विमर्श करेगा, बल्कि भविष्य की रणनीति को भी आकार देगा।

खेत में गिरी आसमानी बिजली, किसान की दर्दनाक मौत

» सकरवां गांव में हादसे के बाद पसरा मातम

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। मौसम का कहर एक बार फिर किसान पर टूट पड़ा। सोमवार की शाम ककवन थाना क्षेत्र के सकरवां गांव में धान की फसल की रखवाली कर रहे किसान की आसमानी बिजली गिरने से मौत हो गई। घटना से पूरे इलाके में सन्नाटा पसर गया। जानकारी के मुताबिक गांव निवासी 45 वर्षीय महेश यादव पुत्र रामाधीन खेत में धान की निगरानी कर रहे थे। तभी गरजते बादलों के बीच अचानक बिजली गिरी और वह उसकी चपेट में आ गए। पास ही मौजूद किसानों ने उन्हें जमीन पर गिरते देखा तो शोर मच गया, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। हादसे की खबर फैलते ही गांव में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद से ग्रामीणों में भय का माहौल है और लोग बच्चों व बुजुर्गों को घरों में सुरक्षित रखने लगे हैं।सूचना पाकर तहसीलदार अनुभव चंद्र मौके पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। थाना प्रभारी जीतेंद्र राजपूत ने बताया कि आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना की मांग

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)।पूर्व विधायक प्रत्याशी रचना सिंह गौतम ने सोमवार को समर्थकों के साथ नगर पालिका अधिशासी अधिकारी को डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सुझाव दिया गया है कि प्रतिमा नेहरू पार्क या नगर पालिका चौराहे पर लगाई जाए।रचना सिंह ने कहा कि यह कदम जनता की लंबे समय से चली आ रही अपेक्षाओं को पूरा करेगा और अंबेडकर के सामाजिक न्याय व समानता के योगदान का सम्मान है। उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष से भी औपचारिक अनुरोध किया है।ज्ञापन सौंपने के अवसर पर इरशाद सरदार, टेलर इमरान, सभासद बबलू, अब्दुला, शशिकांत पाल, अकील, शहनवाज, बिलाल और गुफरान चिस्ती समेत कई समाजवादी मौजूद रहे। रचना सिंह ने स्वराज इंडिया से बातचीत में कहा कि नगर पालिका द्वारा विकास कार्यों में भ्रष्टाचार की शिकायतें भी सामने आई हैं और इस मुद्दे पर उच्च अधिकारियों से बातचीत की जाएगी।

जीएनआरएफ फाउंडेशन कल लगाएगा ब्लड डोनेशन कैंप

बिल्हौर कस्बे के किदवई नगर में होगा आयोजन

बिल्हौर। समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय गरीब नवाज रिफील फाउंडेशन (जीएनआरएफ) बुधवार को कस्बे में रक्तदान शिविर का आयोजन करेगा। संस्था के सदस्य फैज आलम कारी ने बताया कि कैंप किदवई नगर स्थित एक मकान के हॉल में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। उन्होंने कहा कि इस कैंप का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों की मदद करना और समाज में रक्तदान को लेकर जागरूकता फैलाना है। संस्था के पदाधिकारियों ने युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान करें। संस्था का मानना है कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त तीन लोगों की जिंदगी बचा सकता है। आयोजन को सफल बनाने के लिए फाउंडेशन की पूरी टीम तैयारियों में जुटी हुई है।

अखिलेश दुबे का आतंक: कारोबारी से रिवॉल्वर की नोक पर कब्जाई दुकान

» जनरलगंज के साड़ी व्यापारी ने पुलिस कमिश्नर से लगाई गुहार

» एसआईटी कर रही है शिकायती पत्रों की जांच

» प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। कैंट के शांति नगर निवासी संजय अग्रवाल की जनरलगंज में साड़ी की थोक की दुकान है। उनका आरोप है कि कपड़ा व्यापारी सनी चुग, हिमानी चुग, सुनील चुग और लवी मिश्रा उनके पास पहुंचे और दुकान में पार्टनरशिप करने का झांसा दिया। पूंजी लगाने और कारोबार बढ़ाने की बात कहकर वे उन्हें अखिलेश दुबे के साकेत नगर स्थित दफ्तर ले गए। वहां अखिलेश दुबे ने पूरी साजिश रची और कहा कि तुम्हारी दुकान की कीमत महज एक करोड़ रुपये है। इसमें से 50 लाख तुम्हारे हिस्से के बताए और 50 लाख सनी चुग लगाने की बात कही। कुछ ही दिनों बाद आठ लाख रुपये का चेक भी दिलाया गया और दबाव बनाकर दुकान का जीएसटी और रजिस्ट्रेशन गिरोह से जुड़ी हिमानी चुग के नाम ट्रांसफर कराने को कहा गया।

जब कारोबारी ने रुपये की मांग की तो अखिलेश दुबे भड़क उठा और सीने पर रिवॉल्वर तान दी। धमकी दी कि जैसा कहा जा रहा है वैसा करो, वरना या तो जेल जाना पड़ेगा या फिर सीधे मौत का सामना करना होगा।

कारोबारी का कहना है कि इस दौरान अखिलेश दुबे के दफ्तर में उसके साथ दो-तीन पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, जिससे उसका खौफ और बढ़ गया। भय के माहौल में उन्होंने अनचाहे कदम उठाए। बाद में जब पीड़ित ने विरोध किया तो अखिलेश दुबे ने साजिश के तहत उसी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया। आरोप है कि इस पूरे खेल में कारोबारी को 92 लाख रुपये का सीधा नुकसान हुआ।

गेहूं के कारोबार में भी की करोड़ों की ठगी

किदवई नगर निवासी कारोबारी दिलीप ओझा ने भी अखिलेश दुबे और उसके गिरोह के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में उन्हें साकेत दरबार बुलाया गया, जहां उन पर झांसी के व्यापारी नरेश गुप्ता से पार्टनरशिप टूटने का ठीकरा फोड़कर दबाव बनाया गया। अखिलेश दुबे और उसके गुर्गों ने उन्हें सीने पर रिवॉल्वर लगाकर धमकाया कि डेढ़ करोड़ रुपये के गेहूं की सप्लाई तुरंत करो, वरना अंजाम भुगतने को तैयार रहो। मजबूरी में उन्होंने उन्नाव के बांगरमऊ समेत कई जगहों से गेहूं मंगवाकर गिरोह के कहने पर सप्लाई कराई। हालांकि सप्लाई के एवज में मात्र 30 लाख रुपये दिए गए

जबकि शेष राशि पूरी तरह हड़प ली गई। कारोबारी का आरोप है कि जब उन्होंने पैसे की मांग की तो न सिर्फ धमकाया गया बल्कि झांसी से आए पुलिसकर्मियों ने भी उन्हें डराने-धमकाने में साथ दिया। इतना ही नहीं, खर्चे के नाम पर उनसे बार-बार वसूली की गई।

पीड़ित कारोबारी का कहना है कि दुबे के रसूख और पुलिस से मिलीभगत के कारण कोई कार्रवाई नहीं हुई और उन्हें करोड़ों रुपये का चूना लगाया गया। अब ऑपरेशन महाकाल के तहत अखिलेश दुबे पर शिकंजा कसने की कार्रवाई की खबर के बाद पीड़ितों में हिम्मत आई और उन्होंने पुलिस आयुक्त से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई। फिलहाल एसआईटी दोनों मामलों की जांच कर रही है और पीड़ितों को उम्मीद है कि वर्षों से हो रहे उत्पीड़न का अब अंत होगा।

स्ट्रीट लाइट सुधारने के लिए नगर निगम ने शुरू किया व्यापक अभियान

» नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने कहा कि कानपुर की सड़कों पर चमकेगी रोशनी, नगर निगम ने स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को बनाया आधुनिक

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहरवासियों के लिए राहत की खबर है। नगर निगम कानपुर ने स्ट्रीट लाइट व्यवस्था में बड़ा सुधार करते हुए इसे और आधुनिक व सुदृढ़ बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। नगर आयुक्त सुधीर कुमार के नेतृत्व में चल रहे दैनिक भ्रमण व जनसंवाद के दौरान प्राप्त शिकायतों के निस्तारण को प्राथमिकता देते हुए यह कार्य तेजी से संपादित किया जा रहा है। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने बताया कि प्रस्तावित कार्यों के पूरे हो जाने से शहर की मार्गप्रकाश व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार होगा। नागरिकों को बेहतर रोशनी, सुरक्षित यातायात और रात के समय सुरक्षित वातावरण का लाभ मिलेगा।नगर निगम का दावा है कि इन प्रयासों से कानपुर की सड़कों पर रात का अंधेरा अब उजाले में बदलेगा और शहर की खूबसूरती भी निखरेगी।

नगर आयुक्त सुधीर कुमार

नगर निगम के जारी प्रमुख कार्य

नगर के विभिन्न वार्डों और जोनों में 6,663 नई एलईडी स्ट्रीट लाइटें स्थापित की जा रही हैं।

खराब फ्लड लाइटों की जगह 1,308 नई फ्लड लाइटें लगाई जा रही हैं।

प्रमुख मार्गों व संपर्क मार्गों को रोशन करने हेतु 1,264 विद्युत पोल लगाए जा रहे हैं।

विभिन्न चौराहों पर 375 हाईमास्ट टावर पोल (9 से 50 मीटर लम्बे) स्थापित हो रहे हैं।

साथ ही 08 हाईमास्ट टावर पोल (16 से 12.5 मीटर लम्बे) भी प्रमुख स्थानों पर लगाए जा चुके हैं।

वार्डों व पार्कों में 443 एम.एस. पोल (4 मीटर लम्बे) लगाए जा रहे हैं।

चुन्नीगंज से नरोना चौराहा तक 18 मीटर लंबी वार्म व्हाइट तिरंगा स्ट्रिप लगाकर मार्ग का सौंदर्यीकरण किया गया है।

फूलबाग, सरसैया घाट और परेड चौराहों पर डिजिटल प्रोग्रामेबल एलईडी टावर पोल स्थापित किए जा चुके हैं। अन्य चौराहों पर कार्य प्रगति पर है।

मंगलपुर में नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी फरार

दो वर्षों से शारीरिक शोषण का आरोप, पीड़िता ने मां को सुनाई आपबीती

» धर्म परिवर्तन की धमकी भी दी, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की तलाश

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। मंगलपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में 17 वर्षीय दलित नाबालिग के साथ दो साल से चल रहे शारीरिक शोषण का मामला सामने आया है।

पीड़िता के पिता द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़िता ने रोते हुए मां को पूरी घटना बताई, जिसके बाद परिजनों ने आरोपी से बात करने की कोशिश की। लेकिन युवक ने न सिर्फ माफी मांगने से इनकार किया बल्कि परिवार को ही धमकाने लगा।

धमकी और धर्म परिवर्तन का दबाव

परिजनों का आरोप है कि आरोपी नाबालिग को जबरन अपने साथ ले जाने और धर्म परिवर्तन करने के लिए दबाव डाल रहा था। इतना ही नहीं, उसने खुद को 26 लोगों के गैंग का सदस्य बताते हुए पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। यह खुलासा होने के बाद गांव में सनसनी फैल गई और परिजन सीधे थाने पहुंचे।

मंगलपुर थाना

प्रभारी इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म व अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। इंस्पेक्टर का दावा है कि जल्द ही आरोपी को पकड़कर जेल भेजा जाएगा।

कानपुर देहात में लापता युवक पुलिस ने सकुशल बरामद किया

» दो घंटे की मशक्कत से मिली सफलता

» युवक को परिजनों के सुपुर्द, परिवार ने जताया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रनियां थाना पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए महज दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद एक लापता युवक को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। युवक की सकुशल बरामदगी पर परिजनों ने पुलिस की जमकर प्रशंसा की।

धनजुआ निवासी जितेंद्र कुमार ने थाना रनियां पुलिस को सूचना दी कि उनका 19 वर्षीय भाई राहुल कुमार पाल सोमवार दोपहर लगभग 12 बजे रनियां स्थित दुग्ध डेयरी से अचानक कहीं लापता हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए युवक की गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी।लगातार प्रयास और दो घंटे की कठिन मशक्कत के बाद पुलिस ने युवक राहुल को सुरक्षित ढूंढ निकाला। आवश्यक विधिक कार्यवाही पूरी करने के बाद उसे सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।प्रभारी निरीक्षक शिवनारायण सिंह ने बताया कि पुलिस का उद्देश्य हर नागरिक की सुरक्षा और सहायता करना है। वहीं, युवक को सुरक्षित देखकर परिजन खुशी से गदगद हो उठे और पुलिस की तत्परता की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

वायरल बुखार पर काबू संभव, सावधानी और सतर्कता ही है बचाव का मंत्र

» देवीपुर सीएचसी पर उमड़ी मरीजों की भीड़, डॉक्टर दे रहे सुझाव

» बेहतर इलाज और सक्रिय प्रबंधन से प्रभारी की हो रही सराहना

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले में लगातार हो रही रुक-रुक कर बारिश और मौसम में उतार-चढ़ाव के चलते वायरल बुखार का प्रकोप बढ़ गया है। मलासा और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए सीएचसी देवीपुर पहुंच रहे हैं। रोजाना सैकड़ों मरीज अस्पताल में पंजीकरण करा रहे हैं, जिससे लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। डॉक्टरों का कहना है कि बारिश के बाद बढ़ती गर्मी और बदलते मौसम के कारण वायरल तेजी से फैल रहा है।सीएचसी प्रभारी डॉ. विकास कुमार ने बताया कि लोग थोड़ी-सी सावधानी बरतकर इस बीमारी से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि बाजार की दूषित वस्तुएं खाने से परहेज करें, पानी को हमेशा ढककर रखें और उबालकर पिएं, संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाए रखें तथा धूप में निकलते समय मुंह को अच्छी तरह ढकें। इन साधारण उपायों से वायरल से बचाव संभव है।डॉ. विकास ने यह भी कहा कि वायरल बुखार के कारण सबसे अधिक उल्टी, पेट दर्द और बुखार के मरीज सामने आ रहे हैं। अस्पताल में सभी मरीजों को बेहतर इलाज दिया जा रहा है। कई मरीजों ने खुद भी स्वीकार किया कि उन्हें समय पर उपचार और दवाएं मिल रही हैं। इसी कारण सीएचसी देवीपुर में बेहतर प्रबंधन और जिम्मेदार कार्यशैली के लिए प्रभारी की सराहना की जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

नोडल अधिकारी द्वारा विकास कार्यों की हुई समीक्षा, दिए कड़े निर्देश

निर्माणाधीन परियोजनाओं को तय समय में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने पर जोर

» महिलाओं की आय बढ़ाने और कानून-व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। कलेक्ट्रेट स्थित माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार में सोमवार को ग्राम्य विकास विभाग के नोडल अधिकारी जी.एस. प्रियदर्शी ने जिलाधिकारी कपिल सिंह की मौजूदगी में विकास और निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनहित से जुड़ी परियोजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यदायी संस्थाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण काम करने की चेतावनी दी गई।

जो एजेंसियां मानक पर खरी नहीं उतर रहीं, उनके खिलाफ कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। जल जीवन मिशन के तहत अधिक भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, विद्यालयों और कॉलेजों में जल्द पाइप जलापूर्ति सुनिश्चित करने और सड़कों की खुदाई के बाद रीस्टोरेशन कार्य सही ढंग से कराने पर भी बल दिया गया।

महिलाओं की आय और कानून व्यवस्था पर खास फोकस

समीक्षा बैठक में नोडल अधिकारी ने डीसीएनआरएलएम योजना के तहत अधिक परिवारों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने और महिलाओं की औसत आय कम से कम 1000 रुपये प्रतिमाह सुनिश्चित करने का लक्ष्य तय किया।

महिलाओं को बैंक से ऋण सुविधा दिलाने और विद्युत बिल संग्रह में विद्युत सखी की भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए गए। कानून-व्यवस्था पर चर्चा के दौरान पुलिस को आदेश दिया गया कि हर थाने में एक ही मालखाना हो तथा जब्त पुराने वाहनों की समय-समय पर नीलामी कराई जाए। इसके अलावा विद्युत विभाग को ग्रामीण उपभोक्ताओं को समय पर बिल उपलब्ध कराने और बड़े बकायेदारों से वसूली सुनिश्चित करने को कहा गया।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग को हॉट कुक मील समय पर उपलब्ध कराने और छूटे हुए बच्चों की सूची प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक भवनों को सौर ऊर्जा से जोड़ने, ग्राम पंचायत स्तर पर स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त करने, सामुदायिक शौचालयों के संचालन हेतु केयरटेकर की नियुक्ति और नगरीय क्षेत्रों में हर घर से कूड़ा उठाने की व्यवस्था का भी परीक्षण करने के निर्देश दिए गए। नोडल अधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड पर सभी विभागों को अद्यतन आंकड़े दर्ज करने और योजनाओं की प्रगति में तेजी लाने पर जोर दिया।

प्रेमी का दाहिना पंजा कटा,नहीं चला पाया साबड

पत्नी ने ताबड़तोड़ वार कर ली जान, बच्चों ने पुलिस को बताई मां की करतूत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सचेंडी में अवैध प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने पत्नी और भांजे को जेल भेजा है। जांच में सामने आया है कि हत्यारोपी भांजे का दाहिना पंजा कटा हुआ था। इसलिए साबड़ से वार करने में पत्नी ने सहयोग किया।

कानपुर में सचेंडी थाना क्षेत्र के लालूपुर गांव में हुई शिवबीर (45) की हत्या के आरोप में पुलिस ने उसकी पत्नी लक्ष्मी और भांजे अमित को गिरफ्तार कर सोमवार को कोर्ट में पेश किया। यहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। लक्ष्मी ने शव को गलाने के लिए बेटी से 10 पैकेट नमक के मंगवाया था।

इतना ही नहीं अमित का दाहिना पंजा कटा हुआ होने से उसने शिवबीर के सिर पर साबड़ से वार करने और शव को ठिकाने लगाने में सहयोग किया था। डीसीपी पश्चिम दिनेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शिवबीर गुजरात में प्राइवेट नौकरी करता था। दोनों के एक बेटा और दो बेटियां हैं।शिवबीर के बाहर रहने की वजह से लक्ष्मी का पति के सगे भांजे अमित से प्रेम प्रसंग हो गया। इसकी जानकारी शिवबीर को हुई तो वह लक्ष्मी से मारपीट करने लगा। लक्ष्मी और अमित ने उसको ठिकाने लगाने की योजना बनाई। शिवबीर दो नवंबर 2024 को शराब पीकर घर आया और नशे की हालत में चारपाई पर लेट गया।इस दौरान अमित और लक्ष्मी से साबड़ से शिवबीर के सिर पर हमलाकर उसको बेसुध कर दिया। यहां से बगिया में लेकर चले गए। वहां दोनों ने सिर व अन्य जगह हमलाकर शिवबीर की हत्या कर दी। दोनो ने शव को अगले दिन गाड़ कर नमक डाल दिया। कुछ दिन बाद कुत्तों ने हड्डियां बाहर निकाल दी, जिस पर अस्थियों को नहर में डलवा दिया।लालेपुर गांव में भांजे के साथ मिलकर पत्नी ने 11 महीने अपने पति को मौत के घाट उतार दिया था। पुलिस ने रविवार को घटना का खुलासा कर दिया। पति के मोबाइल लोकेशन घर पर मिलने से शक की सुई पत्नी पर ही घूमी। मृतक की मां हत्या किए जाने का आरोप लगा रही थी। ऐसे में पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की, तो सारी करतूत सामने आ गई।

चित्रकूट: गौशालाओं की अनदेखी बनी बेजुबानों की मौत का कारण

» जिले में कई जगहों पर गौशालाओं का बुरा हाल

» सुविधा के नाम पर अफसर और कर्मचारी कर रहे खानापूरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

चित्रकूट। जिले में हर ग्राम पंचायत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर गौशालाएं स्थापित तो की गईं, लेकिन हकीकत यह है कि कई जगहों पर ये व्यवस्थाएं उपेक्षा का शिकार हो रही हैं। नतीजतन, बेजुबान गोवंश भूख-प्यास और कुपोषण के चलते दम तोड़ने पर मजबूर हैं।

जांच और पड़ताल में सामने आया कि खन्डेहा, दादरी, बरगढ़, सुहेल और रामनगर सहित कई पंचायतों में गौशालाओं की हालत दयनीय है। कुछ प्रधानों ने ईमानदारी से व्यवस्था संभाली है, मगर कई जगह निजी स्वार्थ और लापरवाही ने गोवंश को संकट में डाल दिया है।सरकार प्रति गोवंश 250 रुपये प्रतिदिन का प्रावधान करती है, लेकिन कई ग्राम प्रधान इस राशि में से मात्र 10-15 रुपये खर्च कर पशुओं को जिंदा रखने की कोशिश करते हैं। नतीजतन, पशुओं का स्वास्थ्य बिगड़ जाता है, और कई तो भूख-प्यास से मौत के मुंह में समा जाते हैं।

हालांकि, कुछ जगह पशु चिकित्सा अधिकारी तत्परता से दवा-पानी पहुंचाते भी हैं, लेकिन जहां बुनियादी भोजन और पोषण ही उपलब्ध न हो, वहां इलाज से भी कोई चमत्कार नहीं हो सकता। यही वजह है कि तमाम सरकारी करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद गौशालाओं की हकीकत बेहद भयावह है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि गौशाला संचालन में भारी कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार है। हरे चारे, गुड़, खली, भूसा और पशु आहार के नाम पर मिलने वाला पैसा अक्सर जेबों में चला जाता है। यही कारण है कि बेजुबान गौवंश उपेक्षा और भूख का शिकार हो रहे हैं।

जिम्मेदारों पर नहीं होती कार्रवाई!

लोगों की मांग है कि ऐसे ग्राम प्रधानों की जांच कर सख्त रिकवरी की जाए, ताकि गोवंश के हक का पैसा सही जगह खर्च हो। जिले के उच्च अधिकारी भी इस व्यवस्था को लेकर शिथिल रवैया अपनाए हुए हैं। अगर समय रहते सख्ती नहीं दिखाई गई तो गौशालाएं सेवा स्थल के बजाय मौत का गड्ढा बन जाएंगी। सवाल यह है कि अरबों की योजनाओं के बावजूद जब बेजुबान गौवंश की जान नहीं बच पा रही, तो आखिर जिम्मेदारी कौन लेगा?

यूपीटीईटी की शिक्षक करें तैयारी, परीक्षा तिथि जारी

» यूपी शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी टीईटी) अगले वर्ष 29 व 30 जनवरी को होगी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। प्रदेश में प्रवक्ता, प्रशिक्षित स्नातक (टीजीटी) और यूपी-टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की लिखित परीक्षाओं के दिनों में छात्रों के लिए विद्यालयों में शैक्षणिक अवकाश रहेगा। साथ ही इन तिथियों पर कोई अन्य परीक्षा या प्रतियोगी परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी।

इसमें 29 और 30 जनवरी 2026 को यूपी-टीईटी की लिखित परीक्षा संभावित है। पिछली बार यूपीटीईटी 23 जनवरी 2022 को हुआ था। अभी टीईटी में आवेदन को लेकर कोई उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से कोई तिथि जारी नहीं हुई है।

माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि इन परीक्षाओं को देखते हुए परिषदों और विभागों को समन्वय बनाकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करनी होगी।

आदेश के मुताबिक 15 और 16 अक्टूबर 2025 को प्रवक्ता की लिखित परीक्षा होगी। 18 और 19 दिसम्बर 2025 को प्रशिक्षित स्नातक (टीजीटी) की परीक्षा होगी। संबंधित तिथियों एवं उक्त दिवसों में माध्यमिक शिक्षा विभाग / उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद तथा उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन विद्यालयों-संस्थाओं के छात्रों के लिए शैक्षणिक अवकाश घोषित करने के लिए उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज से समन्वय स्थापित कर जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

बॉम्बे हॉस्पिटल
नियर आघू रोड, कानपुर-आगरा हाईवे, अकबरपुर, कानपुर देहात
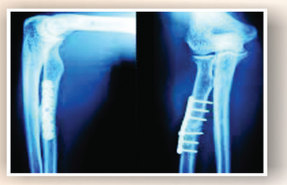

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
24 घंटे एम्बुलेंस व मेडिकल स्टोर की सुविधा
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन
हेल्पलाइन नं.: 8355017999, 8858997333
हड्डी के सभी ऑपरेशन, गुर्दे की पथरी
पित्ताशय की पथरी, फिशर, नासूर
अपेन्डिक्स, प्रोस्टेट, कैंसर की गांठ, भगंदर
हर्निया, हाइड्रोसील, छाती का कैंसर
पेट की चोट व अन्य समस्याएं
बच्चेदानी व अण्डाशय की गांठ
घुटने का प्रत्यारोपण, पाइल्स (बवासीर)

डॉ. सुरेश यादव
डायरेक्टर

..यूपी के स्वास्थ्य महकमे में बिकी सीएमओ की कुर्सी!

» शिकायतकर्ता के पत्र से पुष्ट हुआ खेल

» 9 जिलों में अब तक नियुक्त हुए डॉक्टरों के नाम उजागर

» अयोध्या के मौजूदा सीएमओ पर भी गंभीर आरोप

» नर्सिंग होम सीलिंग और ट्रांसफर-पोस्टिंग बनी वसूली का अड्डा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। स्वास्थ्य महकमे में भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका अंदाजा 30 दिसंबर 2024 के सामने आए उस शिकायती पत्र से लगाया जा सकता है जो अमेठी निवासी आशीष सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजा था। इस पत्र में चौंकाने वाला दावा किया गया कि प्रदेश में मुख्य चिकित्सा अधिकारी का पद खुलेआम नीलाम हो रहा है और औसतन 40-40 लाख रुपए में कुर्सी बेची जा रही है।

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com अपना प्रदेश कानपुर,सोमवार 30 दिसंबर, 2024 11

लखनऊ: 40 लाख में बिक रही सीएमओ की कुर्सी!

» सीएम योगी आदित्यनाथ को भेजे गए एक पत्र से स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप

» प्रति जिला 40 लाख रुपए लिए जाने का लगाया है आरोप

» अमेठी जिले के आशीष सिंह ने सीएम से की मामले के जांच की मांग

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में चल रहे कारनामें अब उजागर होने लगे है। स्वास्थ्य विभाग के ट्रांसफर-पोस्टिंग में हो रहे खेल भी अब सामने आ चुके हैं। सीएमओ से लेकर स्वास्थ्य विभाग की अन्य दूसरी ट्रांसफर पोस्टिंग में पूर्व विधायक मुकेश श्रीवास्तव का अहम रोल सामने आने का मामला ठंडा भी नही पड़ा था कि अयोध्या मंडल के अमेठी जिले के आशीष सिंह ने सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर जल्द ही दस जिलों में बनाये जाने वाले मुख्य चिकित्सा अधिकारियो की संभावित सूची का खुलासा कर हड़कंप मचा दिया है।

सूत्रों की माने तो पिछली सरकारों से लेकर अब तक मुकेश श्रीवास्वत का सिक्का स्वास्थ्य विभाग की ट्रांफसर पोस्टिंग में चल रहा है। सीएम योगी को लिखे अपने शिकायती पत्र में आशीष सिंह ने आरोप लगाया है कि स्वास्थ्य महकमे में प्रमुख सचिव और स्वास्थ्य मंत्री की मिलीभगत से प्रत्येक जनपद में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पदों को नीलाम किया जा रहा है और अधिक मूल्य देने वाले चिकित्सक को चिकित्सा अधिकारी पद से नवाजा जा रहा है। सिंह ने आगे लिखा है कि अभी आने वाले सप्ताह भर के अंदर लगभग 10 जिलों में चिकित्सा अधिकारी बनाया जाना तय हुआ है। सूत्रों की माने तो 31 दिसम्बर के पहले नए बनाये जाने वाले मुख्य चिकित्सा अधिकारियो की लिस्ट जारी होनी है।

संभावित जिलों के नए बनाये जाने वाले सीएमओ की सू...

शिकायती पत्र के अनुसार डॉ नंदू राम, डॉ नरेन्द्र कुमार, डॉ राजेंद्र कुमार, डॉ अनिल गुप्ता, डॉ प्रभा, डॉ अनिल कुमार, डॉ पुष्पेंद्र, डॉ विनोद कुमार, डॉ संत, डॉ सचिन वैश्य, डॉ रंजन गौतम, डॉ मनोज कुमार शुक्ला, डॉ दीपा सिंह, डॉ भावनाथ पांडे, डॉ आश्विन कुमार का नाम शामिल है।शिकायतकर्ता को आशंका है कि उन्हीं में से नाम चयनित कर जल्द ही इन नामीनों को जिले की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

पत्र में आरोप लगाया गया है कि विभाग के सचिव और मंत्री ने औसत 40 लाख रुपए प्रति जिले के हिसाब से पैसा लिया है। क्योंकि पूर्व में भी मेरे सूत्र ने कुछ नाम दिए थे और उनको जिले की जिम्मेदारी भी मिल गई थी इसी वजह से मैं उनके ऊपर विश्वास करके विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार की शिकायत आप से कर रहा हूँ। आशीष ने कहा है कि अगर सीएम की तरफ से उन्हें न्याय नही मिला तो वह इस भ्रष्टाचार के खिलाफ माननीय उच्च न्यायलय व लोकायुक्त की शरण मे जाएंगे।आरोपों को लेकर प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन से संपर्क करने के लिए कई फोन किए लेकिन बात नहीं हो सकी।

प्रेषक,

जिलाधिकारी,
बागपत।

सेवा में,

प्रमुख सचिव,
चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उ0प्र0 शासन, लखनऊ।

पत्रांकः मु0चि0अधि0/कार्यवाही/2025-26/8150 दिनांक 06 सितम्बर, 2025

महोदय,

कृपया जनपद बागपत में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी बागपत के पद पर तैनात डॉ0 दीपा सिंह द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार एवं अत्यन्त गम्भीर अनैतिक कृत्यों को आपके संज्ञान में लाना है। इस विषय में मुख्य चिकित्साधिकारी बागपत की आख्या पत्रांक मु0चि0अधि0/कार्यवाही/2025-26/8105 दिनांक 04.09.2025 (संलग्नक-1) विशेष रुप से उल्लेखनीय है, जिसमें डॉ0 दीपा सिंह-अपर मुख्य चिकित्साधिकारी (लेवल-4 ई-एचआरएमएस कोड-126169) को निलम्बित करते हुए कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने की प्रबल संस्तुति की गयी है।

मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अपनी संलग्न आख्या में डॉ0 दीपा सिंह- अपर मुख्य चिकित्साधिकारी के द्वारा अपने संरक्षण में अल्ट्रासाउण्ड सेन्टरों में अनियमितता कराते हुए लिंग परीक्षण, कन्या भ्रूण हत्या जैसे जघन्य अपराध को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस विषयक डॉ0 दीपा सिंह-अपर मुख्य चिकित्साधिकारी की कार्य प्रणाली के सम्बन्ध में प्रमुख तथ्य निम्न हैं -

1. अधोहस्ताक्षरी द्वारा जिला स्वास्थ्य समिति की प्रतिमाह आयोजित होने वाली बैठकों में डॉ0 दीपा सिंह-अपर मुख्य चिकित्साधिकारी/नोडल अधिकारी पी०सी०पी०एन०डी०टी० को नियमित रूप से निर्देशित किया जा रहा था कि जनपद में संचालित प्रत्येक अल्ट्रासाउण्ड सेन्टर का प्रति माह निरीक्षण करते हुए पी०सी०पी०एन०डी०टी० अधिनियम के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करायें, किन्तु उनके द्वारा प्रत्येक बैठक में अवगत कराया गया कि जनपद में संचालित अल्ट्रासाउण्ड सेन्टरों में पी०सी०पी०एन०डी०टी० अधिनियम व इस सम्बन्ध में निर्गत समस्त शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए नियमित निरीक्षण किये जा रहें हैं एवं इस सम्बन्ध में कोई विसंगति संज्ञान में नहीं आयी है।
2. अधोहस्ताक्षरी द्वारा आदेश पत्रांक 1949/एस०टी०कैम्प-8/2025-26 दिनांक 12 अगस्त, 2025 (संलग्नक-2) के द्वारा उप जिलाधिकारी बागपत, बड़ौत, खेकड़ा को स्वास्थ्य विभाग के सम्बन्धित चिकित्सा अधिकारियों के साथ जनपद में संचालित अल्ट्रासाउण्ड सेन्टरों का औचक निरीक्षण करने हेतु निर्देशित किया गया। उपजिलाधिकारी एवं सम्बन्धित चिकित्सक द्वारा अपनी संयुक्त आख्या (संलग्नक-3) में अंकन किया गया कि निरीक्षण के समय *04 केन्द्र बंद पाये गयें, 04 केन्द्रों पर अल्ट्रासाउण्ड करने हेतु अधिकृत चिकित्सक अनुपस्थित पाये गयें तथा 02 केन्द्र-राज नर्सिंग होम बलैनी व जीवन दीप नर्सिंग होम बागपत में फिक्स मशीन के स्थान पर पोर्टेबल मशीन पायी गयीं।*

दिसंबर 2024 में स्वराज इंडिया ने किया था खुलासा

30 दिसंबर 2024 को लिखे इस पत्र में आशीष सिंह ने साफ कहा था कि प्रमुख सचिव स्वास्थ्य और स्वास्थ्य मंत्री की मिलीभगत से यह खेल चल रहा है। सबसे बड़ी बात, पत्र लिखे जाने के बाद अब तक 9 जिलों में नियुक्त हुए डॉक्टरों के नाम उसी सूची से मेल खा रहे हैं।

इनमें डॉ. विनोद कुमार, डॉ.दीपा, डॉ. भवनाथ पांडेय, डॉ. नन्हकू राम, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. नरेंद्र और अयोध्या के मौजूदा सीएमओ डॉ. सुनील कुमार बनियान शामिल हैं।सूत्रों का कहना है कि अयोध्या में डॉ. बनियान की तैनाती के बाद से वसूली का खुला खेल शुरू हो गया। नर्सिंग होम्स की अचानक छापेमारी कर ताले जड़ दिए गए और जैसे ही मामला सेट हुआ, एक घंटे में ताले खोल दिए गए।

ट्रांसफर और पोस्टिंग में भी मोटी रकम वसूले जाने की चर्चा है। जिले के वरिष्ठ अफसरों और जनप्रतिनिधियों तक को इन करतूतों की जानकारी है,

लेकिन सबकी चुप्पी इस खेल पर परदा डाल रही है। वही दूसरी तरफ विभागीय कर्मचारियों ने सीएमओ अयोध्या के भ्रष्टाचार की शिकायत सीधे मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर की है। जिसकी पुष्टि भी अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अयोध्या द्वारा की गई है। लेकिन पत्र में किसी का नाम न होने के कारण कार्यवाही नही हो पा रही है।

शिकायती पत्र में उन डॉक्टरों की भी लिस्ट थी जिनके जल्द ही सीएमओ बनने की संभावना जताई गई थी।

जिसमे डॉ.नन्हकू राम, डॉ. नरेंद्र कुमार, डॉ. राजेंद्र कुमार, डॉ. अनिल गुप्ता, डॉ. प्रभा, डॉ.पुष्पेंद्र, डॉ. सचिन वैश्य, डॉ. रंजन गौतम, डॉ. मनोज कुमार शुक्ला, डॉ. अभिषेक, डॉ. दीपा सिंह और अन्य नाम शामिल था। शिकायतकर्ता को आशंका थी कि इनमें से कई को अगले चरण में जिलों की जिम्मेदारी सौंप दी जाएगी और हुआ भी वही।

डीएम ने की निलंबन की संस्तुति तो मैडम को बना दिया सीएमओ

मजे की बात तो यह कि 8 सितंबर को बनाये गए मुख्य चिकित्सा अधिकारियों की सूची में बागपत में एसीएमओ डॉ0 दीपा सिंह का नाम शामिल है। जिनके खिलाफ 6 सितंबर को डीएम बागपत ने उनके भ्रष्टाचार का हवाला देते हुए उन्हें निलम्बित करने की संस्तुति की है। बावजूद इसके उन्हें अगले ही दिन सीएमओ की नई जिम्मेदारी दी गई।

» (स्वराज इंडिया फॉलोअप स्टोरी)

अयोध्या कचहरी में तमंचा मिलने पर सियासी बवाल

» 2014 और 2021 के हमलों का किया जिक्र

» कोर्ट गवाही वाले दिन संदिग्ध असलहा बरामद

» कहा- मेरी जान को खतरा, साजिश रच रहे हैं विधायक

» बाहुबली मोनू सिंह ने भाजपा विधायक पर लगाया हमले की साजिश का आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

अयोध्या।अयोध्या कोर्ट परिसर से शनिवार को संदिग्ध बैग में अवैध तमंचा और कारतूस बरामद होने के बाद पूरे जिले की सियासत गर्म हो गई है। इस मामूली दिखने वाली बरामदगी ने अचानक विस्फोटक रूप तब ले लिया, जब बाहुबली पूर्व ब्लॉक प्रमुख यशभद्र सिंह उर्फ मोनू ने भाजपा विधायक विनोद सिंह पर सीधा आरोप जड़ दिया कि यह उनके खिलाफ नई साजिश है और उनकी जान को खतरा है।

रविवार को मायंग स्थित अपने पैतृक आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मोनू सिंह ने कहा यह सब सोची-समझी प्लानिंग है। 2014 में कोर्ट में पेशी के दौरान मुझ पर हमला हुआ था। तब भी हमलावरों के तार विधायक विनोद सिंह से जुड़े पाए गए थे। 2021 की कॉल डिटेल जांच में भी उनका नाम आया था और पुलिस ने उन्हें आरोपी बनाया था, लेकिन हाईकोर्ट से स्टे लेकर उन्होंने खुद को बचा लिया।

संयोग या साजिश? शनिवार को जब मोनू सिंह की पुराने मामले में कोर्ट में गवाही होनी थी, उसी दिन कचहरी परिसर से तमंचा और कारतूस बरामद हुए। खबर मिलते ही मोनू कोर्ट नहीं गए। उनका कहना है कि यह सब मुझे कोर्ट तक पहुंचने से रोकने की कोशिश थी। मामला साफ है कि यह मेरी जान लेने की नई साजिश का हिस्सा है।

भूत बना वर्तमान – पुरानी दुश्मनी की परछाई

मोनू सिंह का नाम अयोध्या की राजनीति और बाहुबली समीकरणों में हमेशा चर्चित रहा है। 2014 का हमला और 2021 की कॉल डिटेल रिपोर्ट अब इस ताजे मामले से जोड़कर देखा जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में सवाल उठ रहा है क्या यह महज संयोग है या किसी 'स्क्रिप्टेड प्लान' का अगला अध्याय? मोनू के आरोपों से भाजपा विधायक विनोद सिंह सीधे कटघरे में हैं।

हालांकि विधायक की ओर से अभी तक इस मामले पर कोई औपचारिक सफाई नहीं आई है। लेकिन जिले की राजनीति में यह मुद्दा गरम है और हर गली-चौराहे पर चर्चा यही है कि कचहरी में तमंचा किसके इशारे पर पहुंचा?

स्वराज इंडिया का सवाल

अयोध्या की अदालतें न्याय देने की जगह अब बारूद और साजिशों का अड्डा क्यों बन रही हैं? तमंचा मिलने की घटना कहीं राजनीतिक रंजिश का नया मोर्चा तो नहीं खोल रही? और सबसे बड़ा सवाल—अगर सच में साजिश है, तो क्या इस बार भी सच अदालत की चौखट तक पहुंचने से पहले दम तोड़ देगा?

गुरुनानक अकादमी में शिक्षकों को मिला मोहन सिंह छाबड़ा स्मृति सम्मान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। गुरुनानक अकादमी के श्री गुरु गोबिंद सिंह सभागार में मंगलवार को सरदार मोहन सिंह छाबड़ा स्मृति सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता धर्मवीर सिंह बग्गा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रोली सिंह और अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक कुमार सिंह रोहित उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर सम्मान से नवाजे गए पांच हस्तियों में पत्रकार आईबी पाण्डेय, शिक्षक विश्वनाथ सिंह, भीम सिंह, श्रीमती कुसुमलता और श्रीमती कंचन वेता शामिल रहीं।समारोह के दौरान विद्यालय की बालिकाओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भरे। कार्यक्रम में प्रतिपाल सिंह पाली अमनदीप सिंह छाबड़ा, राकेश प्रताप सिंह,राम जी सिंह,रवि सिंह,देवेश सिंह,चन्दन सिंह,हर्षवर्धन सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

गयाजी में क्यों किया जाता है पिंडदान?

» जानिए क्यों कहलाती है 'मोक्ष नगरी' और कैसे मिला ये नाम

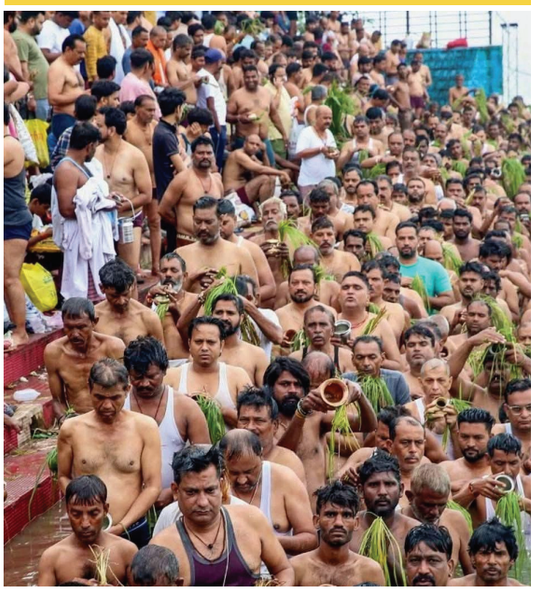

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गया (बिहार)। भारतीय वैदिक संस्कृति में पितरों के प्रति कृतज्ञता और श्राद्ध का विशेष महत्व है। पितृ पक्ष के दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु गया पहुँचते हैं, क्योंकि यह नगरी पिंडदान और श्राद्ध कर्म के लिए सबसे पवित्र मानी जाती है।

है कि यहाँ पिंडदान करने से पितरों को मोक्ष प्राप्त होता है और पितृ दोष दूर हो जाता है। यही कारण है कि गया को 'मोक्ष नगरी' कहा जाता है।पुराणों के अनुसार, गया का नाम एक तपस्वी और धार्मिक प्रवृत्ति वाले राक्षस गयासुर के नाम पर पड़ा।

गयासुर ने कठोर तप से भगवान विष्णु को प्रसन्न किया और वरदान माँगा कि जो कोई भी मेरे शरीर को स्पर्श करेगा, वह सीधे स्वर्गलोक जाएगा।इस वरदान से यमलोक खाली होने लगा और पाप-पुण्य का संतुलन बिगड़ गया। तब ब्रह्मा जी ने गयासुर से यज्ञ हेतु उसकी पवित्र देह मांगी।

गयासुर ने सहर्ष दे दी, लेकिन उसका शरीर इतना पुण्यवान था कि वह स्थिर नहीं हो रहा था। अंततः स्वयं भगवान विष्णु गदाधर रूप में प्रकट हुए और अपने चरण रखकर गयासुर के शरीर को स्थिर किया।

गयासुर ने भगवान विष्णु से प्रार्थना की कि वह स्थान हमेशा पवित्र बना रहे और वहाँ उनके चरण चिन्ह विराजमान हों। तभी से यह क्षेत्र 'गया' कहलाया और यहाँ विष्णुपद मंदिर में भगवान विष्णु के पवित्र चरण चिन्ह आज भी मौजूद हैं।

क्यों खास है गया में पिंडदान

मान्यता है कि गया में पिंडदान करने से आत्मा को जन्म-मरण के बंधन से मुक्ति मिलती है।

पितृ पक्ष में लाखों श्रद्धालु यहाँ आकर अपने पितरों के लिए तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान करते हैं। यह कर्म न केवल आत्माओं को मोक्ष देता है बल्कि जीवित वंशजों को भी शांति और पितृ कृपा प्रदान करता है।

वैदिक संस्कृति और मोक्ष का द्वार

गया केवल एक धार्मिक स्थल नहीं बल्कि भारतीय वैदिक संस्कृति का जीवंत प्रतीक है। यहाँ की आस्था यह संदेश देती है कि जीवन केवल भोग या कर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि मोक्ष और आत्मा की मुक्ति ही अंतिम ध्येय है।

इसीलिए गयाजी को 'मोक्ष की नगरी' कहा जाता है और यही कारण है कि हर वर्ष पितृ पक्ष में यह नगरी श्राद्ध कर्म और पिंडदान का केंद्र बन जाती है।

पीएम ओली का इस्तीफा राष्ट्रपति ने स्वीकार किया; पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा हमले में जखमी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

काठमांडू। नेपाल में हिंसक प्रदर्शन के बीच पीएम केपी शर्मा ओली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे एक दिन पहले युवाओं के हिंसक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोलीबारी में करीब 20 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे।राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रबी लामिछाने को मंगलवार दोपहर नक्खू जेल में प्रदर्शनकारियों से बात करने के लिए बाहर लाया गया है। यह भी बताया गया है कि उन्हें अन्य कैदियों की सुरक्षा के लिए रिहा किया गया है। सहकारी बचत घोटाले के आरोप में लामिछाने जेल में बंद थे। आरएसपी के केंद्रीय सदस्य क्रांतिशिखा धीतल द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में भीड़ को संबोधित करते दिख रहे हैं। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के घर पर भीड़ ने हमला कर दिया। इस हमले में पूर्व पीएम भी घायल हुए हैं। हमले में जख्मी हुए शेर बहादुर को सेना ने बचाया है।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने इस्तीफे का पत्र राष्ट्रपति को सौंप दिया है। बता दें कि जनरेशन जेड के उग्र प्रदर्शन के बीच पीएम ओली ने इस्तीफा दिया है।

नेपाल की राजधानी में मौजूदा हालात को देखते हुए चौथे काठमांडू कलिंग साहित्य महोत्सव को स्थगित कर दिया गया है, आयोजकों ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। सोमवार को सोशल मीडिया साइटों पर सरकारी प्रतिबंध के खिलाफ काठमांडू और कुछ अन्य स्थानों पर युवाओं द्वारा किए गए हिंसक विरोध प्रदर्शनों में कम से कम 19 लोग मारे गए और 300 से ज्यादा घायल हो गए।

आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रम 13 और 14 सितंबर को काठमांडू में होना था। उन्होंने बताया कि बानू मुश्ताक, दीपा भाष्थी और बासुदेव त्रिपाठी सहित 60 से ज्यादा भारतीय और 200 नेपाली लेखक इस महोत्सव में शामिल होने वाले थे। कलिंग साहित्य महोत्सव की निदेशक रश्मि रंजन परिदा ने कहा कि यह आयोजन अब 14 और 15 फरवरी, 2026 को होगा। भुवनेश्वर स्थित आयोजकों द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि सोशल मीडिया साइटों पर प्रतिबंध को लेकर काठमांडू में हुई हिंसा को देखते हुए इसे स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। इसमें कहा गया है कि इस समय महोत्सव का आयोजन न तो उचित होगा और न ही सम्मानजनक।

नेपाल के स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्री प्रदीप पौडेल ने जेनरेशन जेड के विरोध प्रदर्शनों से निपटने के सरकार के तरीके पर अपनी असहमति जताते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एक फेसबुक पोस्ट के जरिए अपने फैसले की घोषणा करते हुए, पौडेल ने लिखा कि युवा पीढ़ी ने सिर्फ सुशासन, जवाबदेही और न्याय की मांग की थी, लेकिन इसके बजाय उन्हें सरकारी दमन और गोलीबारी का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा, %देश का बेहतर भविष्य चाहने वाले युवाओं को गोली मारना उचित नहीं ठहराया जा सकता।% नेपाली कांग्रेस के एक केंद्रीय नेता पौडेल ने कहा कि उनकी अंतरात्मा उन्हें ऐसी परिस्थितियों में मंत्रिमंडल में बने रहने की इजाजत नहीं देती। उनका इस्तीफा देश भर में तेज होते विरोध प्रदर्शनों के बीच आया है, जिसमें कई प्रदर्शनकारी पहले ही अपनी जान गंवा चुके हैं।

नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ युवाओं के प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जानकारी के मुताबिक राजधानी समेत पूरे देश में बढ़ते विद्रोह के कारण पीएम केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दिया है। जिसे राष्ट्रपति की तरफ से स्वीकार कर लिया गया है।